No. of Printed Pages : 6 **MVS–013**

P. G. DIPLOMA IN VASTUSHASTRA (PGDVS)

Term-End Examination

June, 2025

MVS-013 : HOME AND BUSINESS VASTU

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper is in two Sections. Both the Sections are compulsory. Answer the questions in accordance with the instructions given in each Section.*

Section—A

Note : *Answer any* ***three*** *of the following questions.* 3×20=60

1. In the context of Shala-vichara, explain the types of houses in detail.

2. Describe room-arrangement in detail, on the basis of the prescribed excerpt.
3. Describe the rules of Vastushastra according to which Alinda (corridor) and stairs are considered.
4. What is the deliberation on floor-ceiling in Vastu ? Elaborate.
5. Prove that Vastu is useful even for industry.
6. What do you know about Vastudosha ? Describe in detail.

Section—B

Note : *Answer any* ***four*** *of the following questions.* 4×10=40

1. Describe in brief the importance of Vastushanti.
2. What is the relation of Vastu and disease ? Explain.

Or

Give an introduction of Industrial Vastu.

3. How is the month decided in Grihapravesh ? Explain.
4. Mention the conception of the Pujana (worship) of Vastupurusha.
5. Describe the method of arranging the bed inside the house.
6. Which trees can be planted near the house ? Describe.
7. Describe the arrangement of water-tank and underground water according to the rules of Vastu.
8. Elaborate the rules of Vastu for hospitals.

MVS–013

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.वी.एस.-013 : गृह एवं व्यावसायिक वास्तु

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. शाला-विचार के सन्दर्भ में गृहों के प्रकार का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. पठित अंश के आधार पर कक्ष-विन्यास का विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. वास्तुशास्त्र के किन नियमों से आलिन्द एवं सोपान का विचार किया जाता है, वर्णन कीजिए।

4. वास्तु में तल-छत का क्या विचार है ? वर्णन कीजिए।

5. सिद्ध कीजिए कि उद्योग के लिए भी वास्तु उपयोगी है।

6. वास्तुदोष के बारे में आप क्या जानते हैं ? विस्तृत वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. वास्तुशान्ति के महत्व का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. रोग से वास्तु का क्या सम्बन्ध है ? वर्णन कीजिए।

अथवा

औद्योगिक वास्तु का परिचय दीजिए।

3. गृहप्रवेश में मास-निर्णय कैसे करते हैं ? वर्णन कीजिए।

4. वास्तुपुरुष के पूजन की अवधारणा का उल्लेख कीजिए।

5. घर के अन्दर शैय्या व्यवस्था की विधि का वर्णन कीजिए।

6. घर के समीप कौन-से वृक्ष लगाये जा सकते हैं ? वर्णन कीजिए।

7. पानी की टंकी एवं भूमिगत जल की व्यवस्था वास्तु के नियम में किस प्रकार निर्धारित है ? वर्णन कीजिए।

8. चिकित्सालय के लिए वास्तु के नियमों का वर्णन कीजिए।

× × × × ×